Research Paper | E-ISSN NO : 2455-295X | VOLUME : 10 | ISSUE : 5 | MAY 2024

सहरिया जनजाति की छात्राओं पर शासकीय शैक्षणिक योजनाओं का प्रभाव (म.प्र. के श्योपुर जिले के विशेष संदर्भ में)

सविता शर्मा [1] | डॉ. श्रीमती रंजना दीक्षित [2]

[1] शोधार्थी (भूगोल), जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर.

[2] मार्गदर्शक, से.नि. प्राध्यापक (भूगोल), माधव महाविद्यालय ग्वालियर.

ABSTRACT:

सहरिया जनजाति मध्यप्रदेश की सबसे पिछड़ी जनजाति है। यह मध्यप्रदेश के उत्तर–पश्चिम भाग में श्योपुर, मुरैना, ग्वालियर, भिण्ड, शिवपुरी, दतिया, विदिशा जिलों में बाहुल्यता में पाई जाती है। प्रस्तुत शोध में श्योपुर जिले की सहरिया जनजाति का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध में उद्देश्यपूर्ण निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। शोध का प्रमुख उद्देश्य विभिन्न शासकीय शैक्षणिक योजनाओं का सहरिया जनजाति की छात्राओं पर प्रभाव की जाँच करना रहा। यह अध्ययन प्राथमिक एवं द्वितीयक आँकड़ों पर आधारित है। शोधार्थी ने शोध क्षेत्र में जाकर साक्षात्कार अनुसूची एवं अवलोकन के माध्यम से प्राथमिक आँकड़ों का संकलन किया। द्वितीयक श्रोत के रूप में शासकीय योजनाओं को लिया गया। शोध अध्ययन क्षेत्र से आँकड़ों का संकलन कर शोधार्थिनी के द्वारा आँकड़ों का विश्लेषण किया गया। परिणामों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि सहरिया जनजाति की छात्राओं पर शासकीय शैक्षणिक विकास योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, वे इन योजनाओं से लाभान्वित हुईं हैं, ये योजनाएँ उनकी जागरूकता में सहायक हुईं हैं किन्तु जिस मात्रा में यह प्रभाव पड़ना चाहिए वहाँ तक नहीं देखा गया है। इसका कारण उनके परिवार की अशिक्षा, बेरोजगारी एवं गरीबी है जिसके कारण वे शासकीय शैक्षणिक विकास योजनाओं का समुचित लाभ नहीं ले पा रहीं हैं।

KEYWORDS:

जनजाति, सहरिया, शैक्षणिक विकास, शासकीय योजनाएँ, जागरूकता आदि।

PAPER ACCEPTED DATE:	PAPER PUBLISHED DATE:
22nd May 2024	25th May 2024

PAPER DOI NO: https://zenodo.org/10.5281/zenodo.11317076

प्रस्तावना

जनजाति से आशय ऐसे मानव समूह से है जो सामान्य भाषा बोलते हैं, एक समान भू–भाग में निवास करते हैं, एक ही प्रकार की संस्कृति एवं परम्पराओं का पालन करते हैं। भारत में अनेक जनजातियाँ पाई जातीं हैं। भारतीय सामाजिक व्यवस्था में जनजातियों का महत्त्वपूर्ण स्थान है। रामायण एवं महाभारत में भी इनके महत्त्व को प्रतिपादित किया गया है। वर्तमान में भारत में इन जातियों को पिछड़े वर्ग में रखा गया है क्योंकि ये आधुनिक सभ्यता एवं संस्कृति से पिछड़ी हुई हैं। ये जनजातियाँ वनों एवं पर्वतों पर निवास करने के कारण आदिवासी, वनवासी, आदिम जाति, वन्यजाति, वनवासी आदि नामों से भी जानी जातीं हैं।

शिक्षा, सरकारी योजनाओं तथा गाँव एवं शहरों के सम्पर्क में आने के कारण सहरिया जनजाति की परम्परागत जीवन शैली एवं रीति–रिवाजों में काफी परिवर्तन हो रहा है। ये जनजाति भी नगरीकरण एवं औद्योगीकरण से प्रभावित हुई हैं। संचार, शिक्षा, आवागमन, शहरीकरण, भूमण्डलीकरण एवं योजनाबद्ध विकास कार्यक्रमों ने इस जनजाति के जीवन में भी तीव्र एवं सकारात्मक परिवर्तन के अवसर प्रदान किए हैं। कभी जंगलों एवं दूर पहाड़ों में रहने वाले ये लोग आज संचार श्रृंखला के बंध जाने से आधुनिक समाज से जुड़ रहे हैं। शासकीय योजनाओं विशेषकर शैक्षणिक शासकीय योजनाओं के कारण इन पर सकारात्मक प्रभाव कहाँ तक पड़ा है, इन्हें कहाँ तक शैक्षणिक योजनाओं का लाभ मिल रहा है ? शोधार्थिनी ने इसी हेतु शोध अध्ययन हेतु ''सहरिया जनजाति की छात्राओं पर शासकीय शैक्षणिक योजनाओं का प्रभाव'' (म.प्र. के श्योपुर जिले के विशेष संदर्भ में) का चयन किया।

सहरिया जनजाति की शैक्षणिक स्थिति

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत में शैक्षणिक विकास कार्यक्रमों की बाढ़ सी आ गई। इन शैक्षणिक विकास कार्यक्रमों का प्रभाव सभी पर पड़ा। सहरिया जनजाति भी इन शैक्षणिक विकास कार्यक्रमों से अछूती नहीं रही। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार जनजातियों की साक्षरता दर 58.96: है जिसमें पुरूषों की साक्षरता दर 68.53: तथा महिलाओं की साक्षरता पर 49.35: है। समग्र जनजातियों एवं सहरिया जनजाति की साक्षरता दरों का तुलनात्मक विवरण सारणी–1 में दिया जा रहा है।

सारणी क्रमांक–1

राज्यवार साक्षरता दर (प्रतिशत में)

राज्य (साक्षरता)	समग्र अनुसूचित जनजातियाँ			सहरिया जनजाति		
	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
मध्यप्रदेश	59.60	41.50	50.60	51.70	32.00	42.10
छत्तीसगढ़	69.70	48.80	59.10	90.80	68.30	80.90
राजस्थान	67.60	37.30	52.80	61.90	33.70	48.00

Source: Statistical profile of scheduled tribes in India 2013, Ministry of Tribal affairs Government of India. (www. tribal.nic.in)

सारणी क्रमांक–2

श्योपुर जिले में विकासखण्ड स्तर पर विद्यालय (2011 की जनगणना के अनुसार)

क्रमांक	विकासखण्ड	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च माध्यमिक (हाईस्कूल)	उच्च माध्यमिक	कुल
1	श्योपुर	326	108	18	11	463
2	विजयपुर	308	100	10	11	429
3	कराहल	240	75	13	09	337
	कुल	874	283	41	31	1229

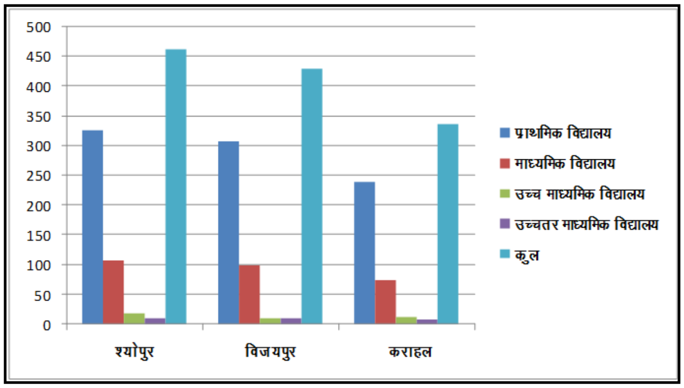

शोध समस्या का चयन

आधुनिक शिक्षा, संचार साधन, राजनीतिक व्यवस्था, आवागमन के साधन एवं औद्योगिकीकरण के कारण सहरिया जनजाति के जीवन में सार्थक परिवर्तन हुआ है। सहरिया जनजाति पर शिक्षा एवं आधुनिकीकरण का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। सहरिया जनजाति में शिक्षा को प्रोत्साहन देने एवं शासकीय शैक्षणिक विकास योजनाओं के प्रभाव को जानने हेतु प्रस्तुत शोध समस्या का चयन किया गया।

उद्देश्य

प्रस्तुत शोध अध्ययन श्योपुर जिले की सहरिया जनजाति पर आधारित है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में जनजातियों के लिए संचालित शैक्षणिक विकास योजनाओं का सहरिया जनजाति की छात्राओं पर प्रभाव का अध्ययन करना है। शोध अध्ययन के अन्य उद्देश्य निम्न हैं –

- शासकीय शैक्षणिक विकास योजनाओं का सहरिया जनजाति पर प्रभाव का अध्ययन करना।
- शैक्षणिक विकास योजनाओं का सहरिया परिवारों पर लाभ का अध्ययन करना है।
- इन योजनाओं के द्वारा सहरिया जनजाति के लोगों में शिक्षा के स्तर एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना है।

अध्ययन की शोध प्रविधि

शोध प्ररचना – प्रस्तुत शोध अध्ययन में सामाजिक शोध के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए वर्णनात्मक शोध प्ररचना का उपयोग किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र – प्रस्तुत शोध अध्ययन का क्षेत्र मध्यप्रदेश का श्योपुर जिला है।

अध्ययन समग्र – प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र में मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में निवास करने वाली सहरिया जनजाति के समस्त परिवारों को अध्ययन के समग्र के रूप में सम्मिलित किया गया है।

अध्ययन की इकाई – प्रस्तुत शोध अध्ययन में मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में निवासरत सहरिया जनजाति की चयनित छात्राओं को उत्तरदाताओं की इकाई के रूप में सम्मिलित किया गया है।

न्यादर्श का आकार – प्रस्तुत अध्ययन में उद्देश्यपूर्ण निदर्शन विधि का उपयोग कर सहरिया जनजाति की कक्षा– 10, 11 व 12 की 450 छात्राओं को उत्तरदाताओं के रूप में चयनित किया गया है।

निदर्शन विधि – प्रस्तुत शोध अध्ययन में उद्देश्यपूर्ण निदर्शन विधि से श्योपुर जिले के तीन विकासखण्डों श्योपुर, विजयपुर एवं कराहल का चयन कर श्योपुर विकासखण्ड से 10 गाँव, विजयपुर विकासखण्ड से 08 गाँव एवं कराहल विकासखण्ड से 12 गाँव का चयन किया गया। इस प्रकार (कुल 30 गाँवों का चयन उद्देश्यपूर्ण निदर्शन विधि से किया गया) प्रत्येक गाँव से 15 सहरिया जनजाति की सामान्य शैक्षणिक स्तर की छात्राओं को शोध अध्ययन हेतु चयन किया गया।

तथ्यों का संकलन – प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु स्वयं के द्वारा साक्षात्कार कर प्राथमिक आँकड़ों का संकलन किया गया तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग द्वारा प्रकाशित अभिलेखों से द्वितीयक आँकड़ों का संकलन किया गया।

तथ्यों का विश्लेषण – अध्ययन क्षेत्र के तीन विकासखण्डों श्योपुर, विजयपुर एवं कराहल के 450 सहरिया जनजाति की छात्राओं का साक्षात्कार अनुसूची द्वारा प्राथमिक तथ्यों का संकलन किया गया। संकलित तथ्यों का सारणीयन एवं सांख्यिकी विश्लेषण किया गया।

सारणी क्रमांक–3

सहरिया जनजाति के शैक्षणिक विकास से सम्बंधित योजनाओं की जानकारी की स्थिति

क्रमांक	योजनाएँ	जनकारी				योग
		हाँ		नहीं		
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	
1.	छात्रवृत्ति योजना	435	96.67	15	03.33	450
2.	आवास सहायता योजना	402	89.33	48	10.67	450
3.	कन्या साक्षरता प्रोत्साहन योजना	385	85.56	65	14.44	450
4.	अनुसूचित जाति की बालिकाओं हेतु निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना	382	84.89	68	15.11	450

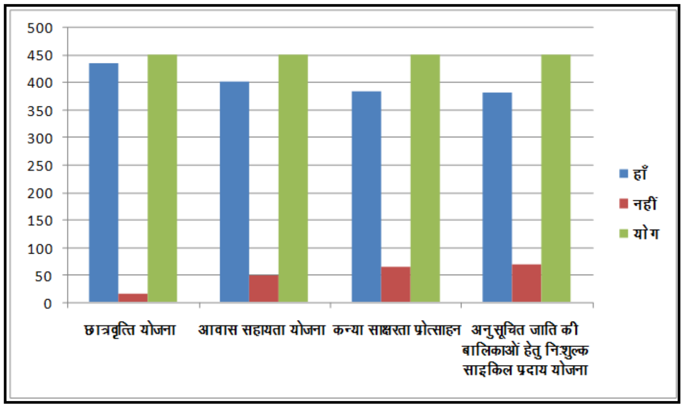

विश्लेषण – सारणी क्रमांक–3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि 450 सहरिया जनजाति की छात्राओं में से 435 (96.67:) छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना की जानकारी है एवं 15 (03.33:) छात्राओं को इस योजना की जानकारी नहीं है। 402 (89.33:) छात्राओं को आवास सहायता योजना की जानकारी है एवं 48 (10.67:) छात्राओं को इस योजना की जानकारी नहीं है। 385 (85.56:) छात्राओं को कन्या साक्षरता प्रोत्साहन योजना की जानकारी है एवं 65 (14.44:) छात्राओं को इस योजना की जानकारी नहीं है। इसी प्रकार 382 (84.89:) छात्राओं को अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं हेतु निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना की जानकारी है एवं 68 (15.11:) छात्राओं को इस योजना की जानकारी नहीं है। उपर्युक्त तथ्यों से स्पष्ट हो जाता है कि अधिकांश सहरिया जनजाति की छात्राओं को शैक्षणिक विकास से संबंधित योजनाओं की जानकारी है।

सारणी क्रमांक–4

सहरिया जनजाति के शैक्षणिक विकास से सम्बंधित योजनाओं के लाभ की स्थिति

क्रमांक	योजनाएँ	लाभान्वित				योग
		हाँ		नहीं		
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	
1.	छात्रवृत्ति योजना	396	91.03	39	08.97	435
2.	आवास सहायता योजना	200	49.75	202	50.25	402
3.	कन्या साक्षरता प्रोत्साहन योजना	361	93.77	24	06.23	385
4.	अनुसूचित जाति की बालिकाओं हेतु निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना	356	93.19	26	06.81	382

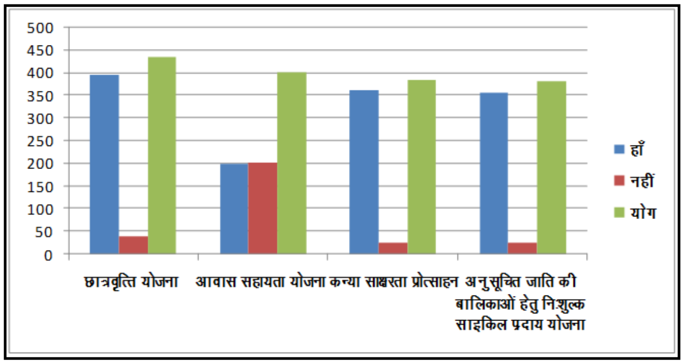

विश्लेषण – सारणी क्रमांक–4 के अवलोकन से स्पष्ट है कि 435 सहरिया जनजाति की छात्राओं में से 396 (91.03:) छात्राएँ को छात्रवृत्ति योजना से लाभान्वित हो रहीं है एवं 39 (08.97:) छात्राएँ इस योजना का लाभ नहीं ले पा रहीं हैं। 402 छात्राओं में से 200 (49.75:) छात्राएँ आवास सहायता योजना से लाभान्वित हो रहीं हैं एवं 202 (50.25:) छात्राएँ इस योजना का लाभ नहीं ले पा रहीं हैं। 385 छात्राओं में से 361 (93.77:) छात्राएँ कन्या साक्षरता प्रोत्साहन योजना से लाभान्वित हो रहीं हैं एवं 24 (06.23:) छात्राएँ इस योजना का लाभ नहीं ले पा रहीं हैं। इसी प्रकार 382 छात्राओं में से 356 (93.19:) छात्राएँ अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं हेतु निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना से लाभान्वित हो रहीं हैं एवं 26 (06.81:) छात्राएँ इस योजना का लाभ नहीं ले पा रहीं हैं। उपर्युक्त तथ्यों से स्पष्ट हो जाता है कि अधिकांश सहरिया जनजाति की छात्राएँ शैक्षणिक विकास से संबंधित योजनाओं का लाभ ले रहीं है।

निष्कर्ष

उपर्युक्त शैक्षणिक योजनाओं की जानकारी की स्थिति एवं लाभान्वित की स्थिति के विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि अधिकतर अभिभावकों एवं छात्राओं को शैक्षणिक शासकीय योजनाओं की जानकारी है। छात्रवृत्ति योजना की 96.67: छात्राओं को जानकारी है, आवास सहायता प्राप्त योजना की 89.33: छात्राओं को जानकारी है, कन्या साक्षरता प्रोत्साहन योजना की 85.56: छात्राओं को जानकारी है एवं अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं हेतु निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना की जानकारी 84.89: छात्राओं को है। वे इन योजनाओं का लाभ भी ले रहीं हैं।

सहरिया जनजाति की छात्राएँ आर्थिक तंगी के कारण प्रतिदिन विद्यालय नहीं जा पातीं हैं क्योंकि माता–पिता के जल्दी मजदूरी पर जाने एवं देर से घर लौटने के कारण इन्हें गृहकार्य भी करना पड़ता है एवं कभी–कभी मजदूरी के लिए भी जाना पड़ता है। अतः अधिकांश छात्राएँ नियमित विद्यालय नहीं पहुँच पाती हैं। इसी कारण ये इन योजनाओं का समग्र लाभ नहीं उठा पाती हैं किन्तु मजबूरी के बाद भी ये छात्राएँ इन योजनाओं का काफी हद तक लाभ उठा रहीं हैं। शासकीय शैक्षणिक विकास योजनाओं का सहरिया जनजाति की छात्राओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। वे इन शैक्षणिक विकास योजनाओं के द्वारा शिक्षा के प्रति जागरूक हुईं हैं। शिक्षा के प्रति जागरूक होने के कारण वे अपने स्वास्थ्य एवं अधिकारों के प्रति भी जागरूक हुईं हैं।

वर्तमान में यह जागरूकता कम अवश्य है किन्तु आशा की किरण निकल आई है जो भविष्य में सभी सहरियाओं को आलोकित करेगी ऐसा शोधार्थिनी को विश्वास है। आशा है कि निकट भविष्य में सहरिया जनजाति की छात्राएँ शासकीय शैक्षणिक विकास योजनाओं का लाभ उठाकर समाज एवं राष्ट्र की प्रगति में अपनी अहम् भूमिका अदा करेंगी।

REFERENCES

1. श्रीवास्तव, डॉ. डी.एन., अनुसंधान विधियाँ, साहित्य प्रकाशन आगरा।
2. उपाध्याय एवं शर्मा (2010), भारत में जनजाति संस्कृति, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।
3. छापड़िया, मनोज (2012), जनजातीय समाज का समाजशास्त्र, एस.पी. बी.डी. पब्लिकेशन हाउस, आगरा।
4. चतुर्वेदी, एस.सी. (2006), सहरिया जनजाति का सांस्कृतिक प्रलेख, आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्थान, भोपाल।
5. प्रशासकीय प्रतिवेदन वर्ष 2022–23, जनजातीय कार्य विभाग, मध्यप्रदेश शासन।
6. प्रशासकीय प्रतिवेदन वर्ष 2017–18, जनजातीय कार्य विभाग, मध्यप्रदेश भोपाल।
7. अमानुल्लाह, मोहम्मद (1997), सहरिया जनजाति का संक्षिप्त मानव शास्त्रीय अध्ययन, आदिम जाति शोध संस्थान, भोपाल।
8. शर्मा, श्रीनाथ (2014), जनजातीय समाजशास्त्र, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल।
9. उप्रेती, डॉ. हरीशचन्द्र (2002), भारत की जनजातियाँ, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
10. निरगुणे, बसन्त (2004), मध्यप्रदेश की जनजातियाँ, महावीर पब्लिशर्स, इन्दौर।